स्वच्छता समाचार

खंड 4 । अंक 30

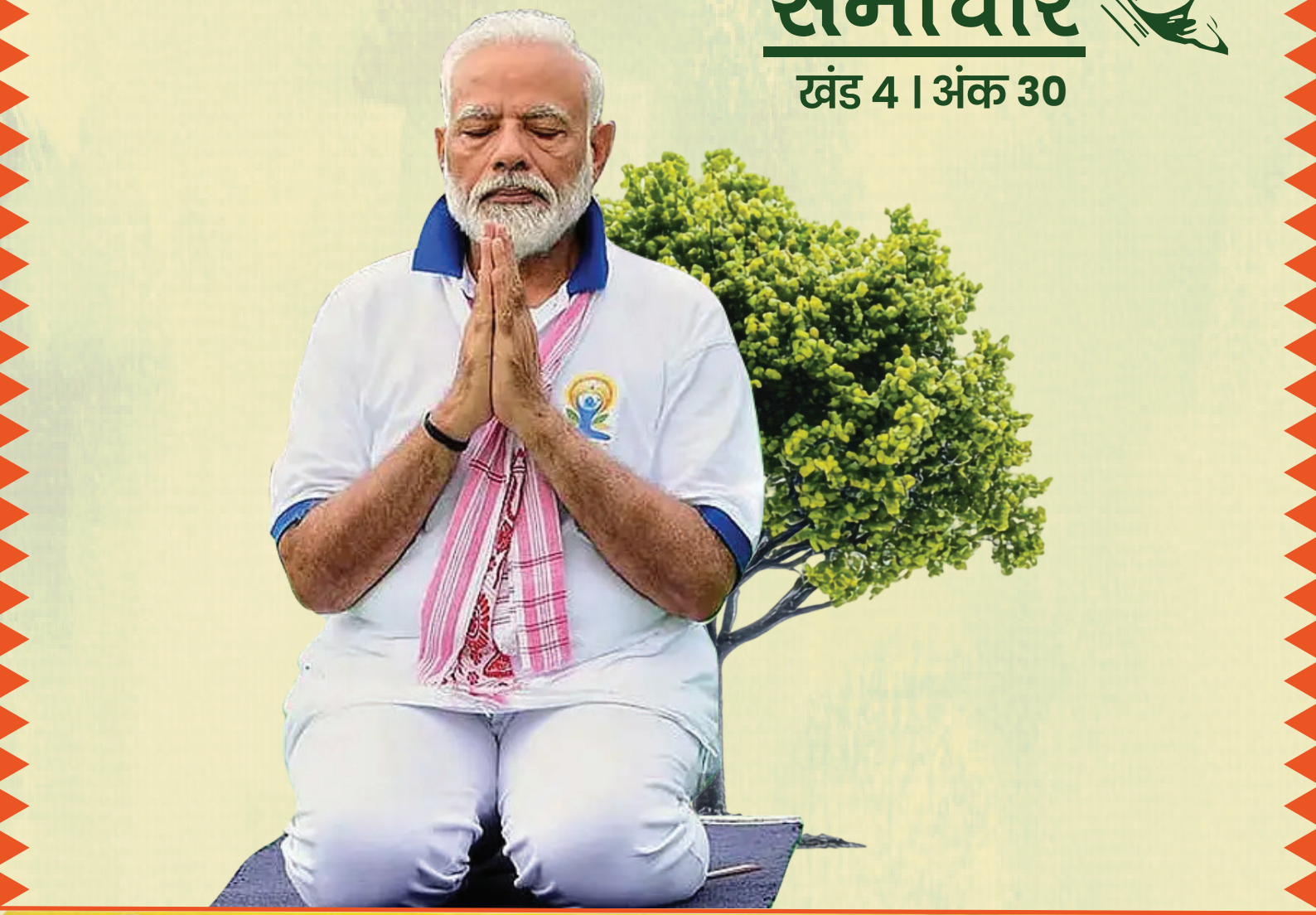

अपनी धरती अपना कल, बेहतर बनायें हम मिलकर

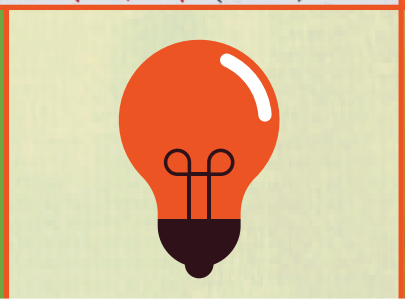

श्री सी. आर. पाटिल

केंद्रीय मंत्री की कलम से

प्लास्टिक प्रदूषण सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है और इसके स्रोत पर प्रदूषण को रोकने, प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने और जन जागरूकता बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 कार्यक्रम, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश

श्री वी. सोमण्णा

केंद्रीय राज्य मंत्री की कलम से

SSG केवल एक सर्वेक्षण नहीं है, बल्कि एक राष्ट्रीय सत्यापन कार्य है और राज्यों तथा जिलों को उनके ग्रामीण स्वच्छता कार्य-निष्पादन के आधार पर रैंक करने का एक सुदृढ़ साधन है। हमारे गांव भारत की आत्मा हैं और उन्हें ODF Plus मॉडल बनाने को एक जीवंत और दृश्यगत वास्तविकता के रूप में देखा जाना चाहिए।

SSG राष्ट्रीय शुभारंभ, नई दिल्ली

श्री अशोक के. के. मीणा

सचिव की कलम से

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में आगे की कार्रवाई ग्राम जल और स्वच्छता समितियों, स्वयं सहायता समूहों सहित सुदृढ़ स्थानीय संस्थाओं पर निर्भर करेगी, परिणामस्वरूप समुदाय के नेतृत्व वाली O&M प्रणालियां स्थापित की जा सकेंगी। इन भौतिक संरचनाओं और निकायों का सुदृढ़ीकरण प्रगति को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि ग्रामीण स्वच्छता समुदाय-स्वामित्व, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार रहे, एक महत्वपूर्ण निर्धारिक होगा।

श्री कमल किशोर सोन

अपर सचिव और मिशन निदेशक की कलम से

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण सर्वेक्षण का कार्य जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम आम सहमति और स्पष्टता के साथ कार्य करें। हमारा ध्यान स्थानीय सामुदायिक संरचनाओं-VWSCs, SHGs और पंचायतों को आगे बढ़कर नेतृत्व करने में समर्थकारी बनाने पर होना चाहिए। ठोस परिणाम तभी प्राप्त होंगे जब प्रणालियां सही ढंग से स्थापित होंगी, क्षमताएं निर्मित होंगी और स्थानीय स्तर पर जवाबदेही स्थापित होगी।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

30 जून, 2025 की स्थिति के अनुसार

ODF PLUS MODEL

- भारत के 4.69 लाख से अधिक (80% से अधिक) गांवों ने स्वयं को ODF Plus मॉडल घोषित किया है
- 5.17 लाख से अधिक गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था
- 5.32 लाख से अधिक गांवों में तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था
- 2,000 से अधिक ग्रामीण प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयां स्थापित, जो एक से अधिक ब्लॉकों को कवर करती हैं
- घर-घर कचरा संग्रह और ढुलाई के लिए 6.30 लाख से अधिक वाहन उपलब्ध
- 1200 से अधिक बायोगैस संयंत्र पंजीकृत
- 900 से अधिक कार्यशील बायोगैस संयंत्र
- 83 बायोगैस संयंत्रों का निर्माण कार्य पूर्ण

स्वच्छता पखवाड़ा: जून 2025

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER
सत्यमेव जयते

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

- श्रमदान गतिविधियों में आस-पास के इलाके, सार्वजनिक शौचालयों और धार्मिक स्थलों की सफाई शामिल थी।
- कमरे-वार स्वच्छता प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें तीन सबसे स्वच्छ अनुभागों / हॉलों को पट्टिकाएं प्रदान की गईं।
- स्थायी और संविदा आधारित कर्मचारियों के लिए स्वच्छ भारत से संबंधित विषय पर एक पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अटल अक्षय ऊर्जा भवन में माननीय मंत्री और राज्य मंत्री द्वारा वृक्षारोपण किया गया।
- स्थायी और संविदा आधारित दोनों कर्मचारियों के लिए स्वच्छता से संबंधित विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- MNRE के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा 'स्वच्छता शपथ' ली गई और मंत्रालय में काम कर रहे स्वच्छता कर्मियों को सफाई किट वितरित किए गए।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER
सत्यमेव जयते

कोयला मंत्रालय

- आस-पास के क्षेत्रों में एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के प्रतिबंध को बढ़ावा देने के लिए जूट के बैग वितरित किए गए।
- निवासियों (SECL गेवरा क्षेत्र) द्वारा अलग-अलग अपशिष्ट भंडारण की सुविधा के लिए क्वार्टरों में कचरा पात्र वितरित किए गए थे।
- महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के लखनपुर क्षेत्र द्वारा आयोजित रामपालुगा पर्यटक स्थल, झारसुगुड़ा में स्वच्छता संबंधी अभियान का आयोजन किया गया।
- महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के ओरिएंट एरिया द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत व्यक्तिगत स्वच्छता से संबंधित एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया था।
- महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के ओरिएंट एरिया की ओर से एक सरकारी स्कूल में सेनेटरी पैड वितरित किए गए।
- पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक स्कूल में पौधे लगाए गए।
- स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए पास के क्षेत्र में वर्षा जल प्रबंधन संबंधी पहल शुरू की गई थी।
- SECL जोहिला एरिया द्वारा आस-पास के गांवों और कॉलोनियों में वितरण संबंधी अभियान आयोजित किया गया।
- SECL जोहिला एरिया द्वारा केवी में निबंध, चित्र और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें लगभग 60 छात्रों ने भाग लिया।
- SECL जोहिल्ला एरिया कॉलोनी में साफ-सफाई को बढ़ावा देने के लिए सफाई अभियान का आयोजन किया गया।
- MCL के IB वैली एरिया द्वारा खलियाकानी यूपी स्कूल में फलदार वृक्षों की पौध वितरित की गई।
- ब्रजराजनगर कॉलेज में MCL के सेंट्रल हॉस्पिटल IB वैली एरिया की डॉ. नीता प्रकाश ने व्यक्तिगत स्वच्छता पर भाषण प्रस्तुत किया।
- हरिपुर स्कूल में चिकित्सा विभाग सोनपुर बाजारी परियोजना के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

कोयला मंत्रालय

- मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में WCL के आस-पास के गांवों में स्वच्छ पेयजल और जल निकायों की सफाई से संबंधित एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।
- 26 जून, 2025 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत GM कॉम्प्लेक्स, जोहिला क्षेत्र में स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।
- रांची के सबसे बड़े जलाशयों में से एक, कांके बांध को CMPDI द्वारा साफ किया गया था
- बच्चों में स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रश्नोत्तरी, निबंध और चित्र प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
- स्वच्छता का संदेश फैलाने के लिए ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के परिसर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।
- कार्यालय की स्वच्छता को प्रोत्साहित करने के लिए कुनुस्तोरिया क्षेत्र ECL में सभी विभागों का निरीक्षण किया गया।
- NK क्षेत्र में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया।
- सोनपुर बाजारी क्षेत्र में स्कूली बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एक मार्गदर्शी पहल: 5 ग्राम पंचायतों/गांवों से 4,000 गांवों तक-स्वच्छता मॉडल को बढ़ावा देना

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 2014 में शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति भारत के दृष्टिकोण को फिर से परिभाषित किया है। 2019 तक ग्रामीण भारत में खुले में शौच मुक्त (ODF) स्थिति हासिल करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। फिर भी, एक स्वच्छ, स्वस्थ और सतत भारत की ओर हमारी यात्रा नई प्रतिबद्धता और सुदृढ़ संकल्पों के साथ जारी है।

जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग द्वारा शुरू किया गया यह मार्गदर्शी (LHI) पहल, स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र के लिये एक महत्त्वपूर्ण हस्तक्षेप है, जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मोड के साथ लागू किया गया है। इसे पहले चरण में पंद्रह राज्यों के 75 ग्राम पंचायतों/गांवों में प्रायोगिक तौर पर लागू किया गया था। LHI समावेशी स्वच्छता और कोई भी वंचित न रहे के सिद्धांत पर आधारित है।

चरण 1 में- भारत स्वच्छता गठबंधन (ISC) -फिक्की ने ITC, JSW फाउंडेशन, अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन, HCL फाउंडेशन, टाटा ट्रस्ट, नायरा एनर्जी और आगा खान फाउंडेशन जैसे भागीदारों के सहयोग से 15 राज्यों में 75 ग्राम पंचायतों में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को सफलतापूर्वक लागू किया, मापनीय और प्रभावशाली स्वच्छता समाधानों को प्रदर्शित किया।

जैसा कि अब हम चरण-II में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं, हम आगे की संभावनाओं से प्रेरित और प्रोत्साहित होते हैं। अप्रैल 2025 से, तीन प्रमुख कॉर्पोरेट्स ITC, हिंडाल्को और HCL फाउंडेशन ने अपने कार्यान्वयन भागीदारों के साथ 13 राज्यों में 39 अलग-अलग क्षेत्रों में लाइटहाउस ब्लॉक स्थापित करने के लिए काम शुरू किया है, जिससे कुल 4,096 गांव प्रभावित हुए हैं। अधिक कॉरपोरेट्स इस पहल के साथ समर्थन और भागीदारी करने के लिए आगे आ रहे हैं।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

छत्तीसगढ़ ने बस्तर में अपनी पहली प्लास्टिक मिश्रित ग्रामीण सड़क बनाई

SBMG चरण II के स्थायी ग्रामीण बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था चक्रीय के लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, छत्तीसगढ़ ने बस्तर जिले में अपनी पहली प्लास्टिक अपशिष्ट-मिश्रित बिटुमिनस सड़क का निर्माण किया है जो व्यापक स्तर पर दोहराव की संभावना के साथ एक अभिनव उपलब्धि है। PMGSY योजना के तहत जगदलपुर तहसील की कवपाल और कलगुडा ग्राम पंचायतों के बीच निर्मित इस 5.5 किलोमीटर लंबी सड़क में बिटुमिन के साथ मिश्रित गैर-पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके 1.2 किलोमीटर सड़क शामिल है। परिणामस्वरूप सड़क का एक हिस्सा अधिक टिकाऊ, लागत प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल है। यह इस क्षेत्र में अपनी तरह का प्रथम पहल प्रयास है, जो पर्यावरणीय की दृष्टि से जिम्मेदार ग्रामीण विकास के लिए एक उदाहरण स्थापित करता है।

इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता नवाचार सहयोगी नेतृत्व है, जिसके कारण यह साकार हो सकी। जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में इस पहल का नेतृत्व किया गया है और यह परियोजना SBM-G चरण II के व्यापक "कचरे से कंचन" विजन को दर्शाती है जहां सबसे चुनौतीपूर्ण अपशिष्ट पदार्थों को भी ग्रामीण विकास के लिए संपत्ति में बदल दिया जाता है।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

नुआपाड़ा भारत का पहला एकल उपयोग प्लास्टिकमुक्त जिला बनने की दिशा में अग्रसर

MoEFCC के सहयोग से DDWS ने ओडिशा में विश्व पर्यावरण दिवस को प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अभियान के साथ चिह्नित किया, जो 22 मई से 5 जून, 2025 तक मनाया गया। इस मिशन को एक कदम आगे बढ़ाते हुए, नुआपाड़ा जिले ने अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक मुक्त दिवस के उद्देश्य से जुड़े अभियान को आगे बढ़ाया और 2 अक्टूबर 2025 तक इसे एकल-उपयोग प्लास्टिक (SUP) मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध होने वाला भारत का पहला जिला और राज्य का पहला जिला बनने के लिए प्रतिबद्ध किया।

सम्पूर्ण स्वच्छता के माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप, नुआ-पाड़ा जिले ने 1 जुलाई को बुनियादी ढांचे और सामुदायिक जुटाव दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक व्यापक अभियान शुरू किया। इस दिन का एक प्रमुख आकर्षण 2 घंटे का विशाल मेगा स्वच्छता-सह-वृक्षारोपण अभियान था जो लगभग सभी शैक्षणिक संस्थानों, और सभी सरकारी और निजी संस्थाओं में आयोजित किया गया था। इस अभियान ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 3,170 से अधिक स्थानों को हासिल किया, जिससे यह एक विस्तृत अभियान बन गया।

अधिकारियों, स्कूली बच्चों, स्वयं सहायता समूहों, स्वयंसेवकों और समुदाय के सदस्यों सहित 1.42 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने इस अभियान में भाग लिया, जिसने 3,000 से अधिक गारबेज हॉट स्पॉटस (GVP) से सफलतापूर्वक निराकरण किया और इसके परिणामस्वरूप 30 टन से अधिक प्लास्टिक कचरे का संग्रहण हुआ। हरित पहल के तहत जिले भर में 1 लाख से अधिक पौधे लगाए गए। इस अभियान का नेतृत्व कलेक्टर, मुख्य विकास अधिकारी और अपर जिलाधिकारी (सामान्य) ने किया।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

हावड़ा का प्लास्टिक कचरा प्रबंधन मॉडल

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में, क्रमिक रूप से सशक्त परिवर्तन आकार ले रहा है, जो दर्शाता है कि ग्रामीण भारत आय अर्जन और बेहतर बुनियादी ढांचे का निर्माण करते हुए प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन कैसे कर सकता है। SBM-G चरण II के तहत, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार ने हावड़ा जिले में विकेंद्रीकृत प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली शुरू की है। यह तकनीकी भागीदार की सहायता से और ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों के साथ निकट सहयोग से किया गया है।

यह उदाहरण उदयनारायणपुर ब्लॉक के कुरची शिबपुर ग्राम पंचायत में PWM इकाई का है। यह PWM यूनिट मौजूदा बुनियादी ढांचे का पुन: उपयोग करती है और विकेंद्रीकृत योजना को अपनाती है, हर महीने 2.5 टन प्लास्टिक कचरे का प्रसंस्करण करती है और पुनर्चक्रित प्लास्टिक से प्रति माह रूपये 35,000 का राजस्व उत्पन्न करती है।

प्लास्टिक को आस-पास की ग्राम पंचायतों से साप्ताहिक (150 किग्रा प्रति सप्ताह) एकत्र किया जाता है और सत्यापित पुनर्चक्रणकर्ताओं को भेजा जाता है जहां इसे बाद में मल्टी लेटर प्लास्टिक (MLP) और सिंगल यूज प्लास्टिक (SUP) के लिए जिम्मेदारी से वर्गीकृत किया जाता है। स्थानीय स्वच्छता कर्मचारियों और पंचायत नेताओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया है, जिससे समुदाय में स्वामित्व और गौरव की भावना पैदा करने में मदद मिली है।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

जल, वॉश और चाचा चौधरी

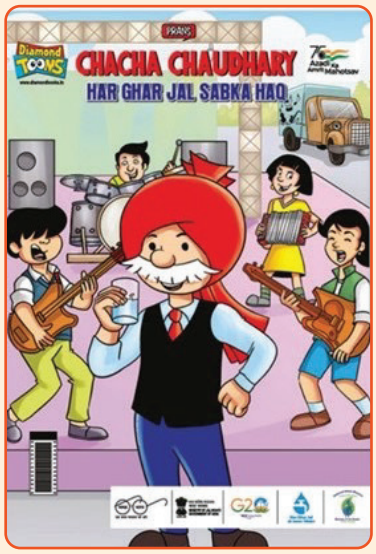

DDWS और डायमंड टून्स ने जल संरक्षण पर जागरूकता वृद्धि के लिए "चाचा चौधरी: हर घर जल, सबका हक" नामक एक नई कॉमिक लॉन्च की। ग्रामीण परिवेश पर आधारित यह कहानी परिवारों से हर बूंद को महत्व देने, वर्षा जल का संचयन करने, अशुद्ध जल का पुन: उपयोग करने और आस-पास के क्षेत्र को साफ रखने का आग्रह करते हुए पाइप के माध्यम से पानी के आगमन का उत्सव मनाती है, जिसमें दिखाया गया है कि सुरक्षित पानी, स्वच्छता और आरोग्यता (WASH) अविभाज्य हैं।

कॉमिक को जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल और जल शक्ति मंत्रालय के DDWS के सचिव श्री अशोक केके मीणा की उपस्थिति में लॉन्च किया गया था। दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने पानी से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर जनता, विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को शिक्षित और जोड़ने के साधन के रूप में कॉमिक्स के रचनात्मक उपयोग की प्रशंसा की।

व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, "चाचा चौधरी हर घर जल, सबका हक" कई भारतीय भाषाओं में प्रकाशित किया जाएगा, जिससे भाषाई और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के पाठक इसके सशक्त संदेश से जुड़ सकेंगे। कहानी में, चाचा चौधरी नागरिकों को "जल योद्धा" बनने के लिए प्रेरित करते हैं, सभी को जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करते हैं और एक स्थायी भविष्य के लिए अपना समर्थन देने की प्रतिज्ञा करते हैं। यह प्रकाशन डायमंड टून्स द्वारा 'टॉकिंग कॉमिक्स' की एक व्यापक श्रृंखला का हिस्सा है, जिसमें जल हमारा अधिकार, जल का महत्व, जल प्रबंधन, जल भंडारण अभियान, जल संरक्षण, जल प्रदूषण, पृथ्वी बचाओ और जल ही जीवन जैसे प्रभावशाली शीर्षक शामिल हैं।

इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा, "जैसे-जैसे पाइप से पानी हर घर तक पहुंचता है, वैसे-वैसे इसे संरक्षित करने की हमारी जिम्मेदारी बढ़ती जाती है। जागरूकता कम उम्र में शुरू होनी चाहिए। इस कॉमिक के जरिए हम कार्यक्रम को लोगों के करीब ला रहे हैं।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

ग्रामीण भारत में विश्व पर्यावरण दिवस उत्सव

भारत ने 5 जून, 2025 को, विश्व पर्यावरण दिवस (WED) को "विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत करने" के उद्देश्य के साथ मनाया। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के नेतृत्व में, इस अभियान ने विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों और सामुदायिक हितधारकों को प्लास्टिक प्रदूषण पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता उत्पन्न करने और इस संदर्भ में कार्रवाई करने के लिए एक किया।

जल शक्ति मंत्रालय का पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS) ने सामंजस्य के क्षेत्रों की पहचान करके और ग्रामीण क्षेत्रों में इस अवसर को सार्थक रूप से मनाने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को विस्तृत निर्देश जारी करके इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़ गया।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान के हिस्से के रूप में, DDWS ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रमुख ग्रामीण स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। इनमें जल निकायों के पास कचरा फेंकने की जगहों की पहचान करना, विशेष स्वच्छता और निरीक्षण अभियान आयोजित करना, प्रतिबंधित एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को जब्त करना, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करण को बढ़ावा देना और सूचना बोर्ड और कचरा पेटी लगाना शामिल था। इन गतिविधियों को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और मिशन लाइफ के लक्ष्यों के साथ निकटता से जोड़ा गया था, जो पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्थायी ग्रामीण स्वच्छता के संदेश को प्रसारित करते हैं।

25 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 20 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी के साथ, इस अभियान ने समन्वित जमीनी स्तर की कार्रवाई का प्रदर्शन किया। इससे यह पता चलता है कि ग्रामीण भारत व्यावहारिक, लोगों के नेतृत्व वाली पहलों के माध्यम से राष्ट्रीय और वैश्विक पर्यावरणीय प्राथमिकताओं में किस प्रकार अपना योगदान कर रहा है। डेटा और मुख्य बातों के साथ विस्तृत रिपोर्ट DDWS वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

कचरे को परिवर्तित करना: बसई मोहम्मदपुर की निहारिका की कहानी

INDIA TODAY

Subscribe

Home

TV

Magazine

World Environment Day: How a UP woman is turning garbage into green gold

The initiative, initially met with doubt, soon became a source of pride as villagers saw tangible improvements in their environment.

When Niharika took office, she faced skepticism, with many villagers expecting her husband to act as the real leader. Defying these expectations, she asserted her authority and quickly set about addressing the village's chronic issues: waterlogging, clogged drains, and rampant plastic waste.

उत्तर प्रदेश में यमुना के तट पर बसई मोहम्मदपुर गांव है। कुछ समय पहले तक, गांव बंद नालियों, प्लास्टिक के कचरे और गंदगी से जूझ रहा था। लेकिन चीजें तब बदलनी शुरू हुईं, जब पूर्व शिक्षिका निहारिका वर्मा ग्राम प्रधान बनीं।

अपने नेतृत्व के बारे में शुरुआती संदेह का सामना करते हुए, निहारिका ने एक बात की तरफ ध्यान केंद्रित किया और वह बात थी कचरे की समस्या का समाधान। वह ई-रिक्शा का उपयोग करके जिसमें गाने बजाकर जागरूकता का प्रसार किया जाता था, घर-घर कचरा संग्रह करके लाईं तथा अपशिष्ट प्रबंधन को दृश्यमान और दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया। प्रमुख स्थानों पर कंक्रीट के डस्टबिन रखे गए थे और एक प्लास्टिक कचरा स्थल स्थापित किया गया था। ग्रामीण अब कचरे से पैसा कमाने लगे। स्रोत पर पृथक करण आम बात हो गयी। समय के साथ, गांव ने रीसाइक्लिंग और उपयोगकर्ता शुल्क के माध्यम से पैसा कमाया, और पर्यावरण की झलक अलग से दिखने और महसूस होने लगी।

निहारिका ने जलभराव को रोकने और यमुना की रक्षा के लिए सोख गड्ढों और जल निकासी प्रणालियों के निर्माण का भी नेतृत्व किया। एक रिसोर्स रिकवरी सेंटर सामुदायिक शिक्षा का स्थान बन गया-जहां लोगों ने समझा कि कैसे खाद, रीसाइक्लिंग और उचित अपशिष्ट निपटान ने उनके जीवन को स्वस्थ और स्वच्छ बना दिया है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इस काम ने सिर्फ पर्यावरण को नहीं बदला-इसने मानसिकता को बदल दिया। लोगों ने अपने परिवेश का ख्याल रखना शुरू कर दिया। महिलाओं ने अधिक सक्रिय रूप से भाग लिया। पड़ोसी गांवों ने ध्यान देना शुरू कर दिया।

निहारिका की कहानी DDWS-UNICEF प्रकाशन रिपल्स ऑफ चेंज का हिस्सा है, जो उन महिला चेंजमेकर्स को उजागर करती है जो पूरे भारत में स्वच्छता और साफ-सफाई में सुधार कर रही हैं। उनका काम हमें इस बात की याद दिलाता है कि सार्थक परिवर्तन हमेशा बड़ी योजनाओं से नहीं आता है-बल्कि प्रतिबद्ध स्थानीय कार्रवाई से आता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर, और उसके बाद हर दिन, बसई मोहम्मदपुर गांव इस बात के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि ग्रामीण नेतृत्व को जब जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी का समर्थन मिलता है, तो कचरे को वास्तविक मूल्य में बदला जा सकता है।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

SPM-NIWAS-कोलकाता: प्रशिक्षण संबंधी मुख्य बातें और आगामी कार्यक्रम

जून 2025

SPM NIWAS ने जून 2025 में कई प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए, जिसमें प्रतिभागियों को स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर आवश्यक ज्ञान के साथ सशक्त बनाया गया। 70 प्रतिभागियों के साथ 4 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

आवासीय प्रशिक्षण	ऑनलाइन प्रशिक्षण
• SBM-P-10/Q1 25-26: IMIS डैशबोर्ड पर प्रशिक्षण। • SBM-P-02/Q1 25-26: PWM: विभिन्न तंत्रों के माध्यम से प्लास्टिक कचरे का प्रसंस्करण और निपटान।	• SBM-OL-09/Q1 25-26: वर्मी कंपोस्टिंग पर प्रशिक्षण। • SBM-OL-11/Q1 25-26:SBM (G)-II के लिए सोशल मीडिया अभियान के उपयोग पर प्रशिक्षण। • जून 2025 में, SPM NIWAS ने 15वें वित्त आयोग के अनुदान, स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर त्रिपुरा और मेघालय में ऑफ-साइट प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए।

सिपाई, अगरतला, त्रिपुरा

- त्रिपुरा की पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, ब्लॉक विकास अधिकारियों के लिए 18 जून 2025 को SBM (G) 2.0 में 15वें वित्त आयोग और इसके अनुप्रयोगों पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन सहित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण 19-21 जून 2025 तक आयोजित किया गया। इस 3-दिवसीय प्रशिक्षण में 13 सत्र थे, और प्रशिक्षण में 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

शिलांग कन्वेंशन सेंटर, शिलांग, मेघालय:

- 24 से 25 जून, 2025 तक मेघालय के राज्य अधिकारियों/कर्मचारियों का SBM (G) पर अभिविन्यास।

  इस अभिविन्यास में 13 सत्र थे और इसमें 92 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

आगामी प्रशिक्षण

SPM NIWAS ने जुलाई के लिए आठ प्रशिक्षण सत्रों की योजना बनाई है।
(चार ऑनलाइन और तीन ऑफलाइन)

ऑफ़लाइन प्रशिक्षण:

- IEC, व्यवहारवादी परिवर्तन संचार, सोशल मीडिया और पारस्परिक संचार।
- ग्रामीण क्षेत्रों में तरल अपशिष्ट प्रबंधन।
- ग्रामीण क्षेत्र में पशु अपशिष्ट सहित बायोडिग्रेडेबल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन।
- ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन।

ऑनलाइन प्रशिक्षण:

- वैयक्तिक पारिवारिक शौचालयों (IHHL) की रेट्रोफिटिंग।
- सामुदायिक स्वच्छता परिसरों (CSC) के रखरखाव।
- SLWM की अभिनव तकनीक।
- बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट प्रबंधन।

पंजीकरण के लिए, यहाँ क्लिक करें

वर्ग पहेली

E	W	B	T	L	Z	E	R	O	W	A	S	T	E
L	L	U	S	S	A	N	I	T	A	T	I	O	N
B	F	T	L	N	O	E	G	D	U	L	S	G	N
A	T	R	E	S	A	A	A	G	U	O	P	A	R
D	A	E	E	G	E	O	K	O	S	U	P	I	T
A	E	N	W	P	A	F	A	P	I	T	R	P	F
R	P	C	E	B	N	W	E	N	I	R	T	A	L
G	L	H	T	I	I	B	E	O	L	T	I	U	P
E	A	I	T	O	B	E	I	S	G	P	R	E	E
D	S	N	A	F	I	S	T	A	D	R	T	A	I
O	T	G	H	U	A	P	H	Y	T	O	R	I	D
I	I	B	Y	E	G	O	B	A	R	D	H	A	N
B	C	L	D	L	R	E	T	A	W	Y	E	R	G
W	I	T	I	P	T	S	O	P	M	O	C	A	E

BIOFUEL | LATRINE | SOAKPIT | GOBARDHAN | SANITATION
GREYWATER | PLASTIC | SEWAGE | TRENCHING | ZEROWASTE
COMPOSTPIT | BIODEGRADABLE | SLUDGE | PHYTORID

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

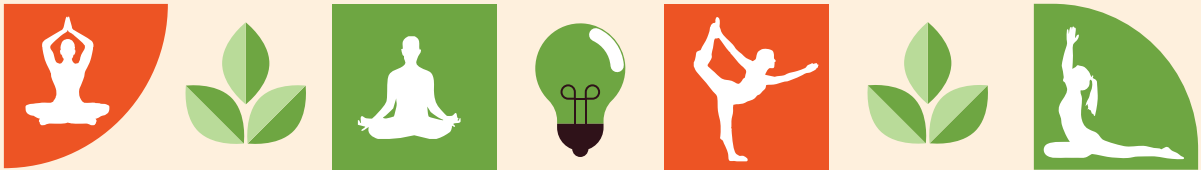

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए, हर महीने की 15 तारीख से पहले
अपना सबमिशन साझा करें sbmiec.ddws@gmail.com

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

Office of the Joint Secretary & Mission Director, SBM-G
Department of Drinking Water and Sanitation, Ministry of Jal Shakti
Government of India.

4th Floor, Pandit Deendayal Antyodaya Bhawan, CGO Complex,
Lodhi Road, New Delhi-110003
Phone: 011-24362192 | Email: js-sbm@gov.in